




न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

63

सावित्री देवी बगैरह

वनाग सगोष मरती उर्फ वरुण मरती बगैरह

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
<p>25-05-18</p>	<p>अभिलेख सं०-एम...५४.../2018 धारा-107 द०प्र०सं० थाना प्रगारी <del>सुनिगावु</del> के अप्राथमिकी सं०-12/18 दिनांक-2-4-18 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आरोपन से सूचना मिली है कि <u>उभय पक्ष के घर में मुर्ग बुराई के कारण विवाद को लेकर उभय पक्ष में तनाव है।</u></p> <p>जिससे संगठना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं पासल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उभय/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू० का बन्ध पत्र उशी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि 25-5-18 को उपस्थापित करें। लेखागित एवं संश्लेषित</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around;"> <div style="text-align: center;">               कार्यपालक दण्डाधिकारी,              बुण्डू।         </div> <div style="text-align: center;">               कार्यपालक दण्डाधिकारी,              बुण्डू।         </div> </div> <p align="center">अभिलेख उपस्थापित   उभय पक्ष उपस्थित   उभय पक्ष जवाब दाखिल की दिनांक 11-06-18 की शर्त।</p> <div style="text-align: right;">               25/5/18         </div>	

दिनांक

आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर

हाजरी दितीप पत्र क्रमांक ०१ उपरिपत्र-  
क्रमांक ०२, ०३ अधिवक्ता हाजरी । दितीप  
पत्र की जोर से जवाब दायित्व  
किया गया । प्रथम पत्र गवारी हेतु  
गवाह उपरिपत्र की प्रथम पत्र गवारी हेतु  
दिनांक १७-११-१८ का है ।

  
२५/११/१८

१७-११-१८

उभय पत्र अधिवक्ता आप हाजरी की  
गड़ी कार्यो दण्डो अन्य कार्य में व्यस्त ।  
अगली तिथि ०७-१२-१८ है ।

०७-१२-१८

आगिलेख उपरिपत्र । प्रथम पत्र  
उपरिपत्र दितीप पत्र क्रमांक ०२ उपरिपत्र  
क्रमांक ०१, ०३ अधिवक्ता हाजरी । उक्त  
वाद में ६ (छः) गवाह की अधिवक्ता की प्रका  
ई आगिलेख वाद का लक्ष्यपत्र हो गया है । कलः  
वाद में आगिलेख की कावची बन्द की गयी है ।

  
०७/१२/१८